भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3737 का उत्तर

केरल के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

3737. श्री राजमोहन उन्नीथन:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केरल के सभी चिह्नित स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के पूर्ण कार्यान्वयन संबंधी समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ख) पालक्काड संभाग में उक्त योजना के अंतर्गत अब तक कितने स्टेशनों का उन्नयन किया गया है और इन स्टेशनों के चयन के क्या मानदंड हैं;

(ग) तिरुवनंतपुरम संभाग में उक्त योजनाओं के अंर्तगत वर्कला, शिवगिरी और चिरयिनकीष़ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की क्या स्थिति है;

(घ) क्या कासरगोड से काजनगाड, नीलेश्वरम जैसे कोई भी रेलवे स्टेशन उक्त योजना के दूसरे चरण में शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) प्रत्येक स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए पूर्ण किए गए कार्यों, प्रदत्त और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(च) इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की आशा है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडॉल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 35 स्टेशन केरल राज्य में स्थित हैं। क्षेत्रीय रेलवे से प्राप्त प्रस्तावों, प्रमुख शहरों और कस्बों में स्थित स्टेशनों के आधार पर स्टेशनों को चिह्नित किया जाता है। दक्षिण रेलवे के पालक्काड मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 18 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 14 स्टेशन केरल राज्य में स्थित हैं। केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, अंगमालि कालडि, चलाकुडी, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनिकिल, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कण्णूर, कासरगोड, कयानकुलम, कोल्लम, कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला, वडकांचेरी

केरल राज्य में स्थित वर्कला शिवगिरी, चिरयिनकीष और कासरगोड स्टेशनों सहित 33 अमृत स्टेशनों के लिए विकास कार्यों हेतु निविदाएं प्रदान की गई हैं और निर्माण-कार्य शुरू किए गए हैं। वर्कला शिवगिरी स्टेशन पर एयर कॉनकोर्स, मुख्य स्टेशन भवन, पार्किंग क्षेत्र आदि के निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। चिरयिनकीष स्टेशन पर प्रतीक्षालय और पार्किंग क्षेत्र के सुधार संबंधी कार्य पूरे हो गए हैं और अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, कॉनकोर्स का सुधार, प्लेटफॉर्म सतह, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश पोर्च आदि का निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। कासरगोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 3 की ऊंचाई बढ़ाने, पार्किंग क्षेत्र में सुधार और हाई मास्ट लाइट लगाने संबंधी कार्य पूरे हो गए हैं और प्लेटफॉर्म शेल्टर का विस्तार, प्लेटफॉर्म नंबर 1 की ऊंचाई बढ़ाने, लिफ्ट का प्रावधान, स्टेशन भवन में सुधार, पोर्च, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार आदि के कार्य शुरू हो गए हैं।

अन्य परियोजनाओं के निष्पादन की गति भी अच्छी रही है। उदाहरण के लिए-

- कोल्लम स्टेशन पर सर्विस बिल्डिंग का कार्य पूरा हो चुका है। मल्टी-लेवल कार पार्किंग, दक्षिणी ओर टर्मिनल बिल्डिंग (ब्लॉक-ए और बी) और पार्सल बिल्डिंग का संरचनात्मक निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है और दक्षिणी ओर टर्मिनल बिल्डिंग (ब्लॉक-सी), एयर कॉनकोर्स, पैदल पार पुल, प्लेटफॉर्म में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर आदि का निर्माण-कार्य शुरू हो चुका है।
- कुट्टिप्पुरम स्टेशन पर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, नए प्लेटफार्म शेल्टर, नए पोर्च और प्रवेश रैंप के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है तथा बुकिंग कार्यालय के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।
- तलश्शेरी स्टेशन पर, कॉनकोर्स क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, दोनों तरफ के पार्किंग क्षेत्र, नए प्लेटफार्म शेल्टर का निर्माण, नए पोर्च और कवर्ड वॉकवे का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा परिचलन क्षेत्र का कार्य शुरू किया गया है।
- फ़रोक स्टेशन पर प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह को ऊंचा करने, नए प्लेटफार्म शेल्टर और नए शौचालय ब्लॉक का

निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है तथा मुख्य प्रवेश द्वार की ओर पार्किंग क्षेत्र, लिफ्ट, कॉनकोर्स क्षेत्र में सुधार, बुकिंग कार्यालय आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- षोरणूर स्टेशन पर नए पैदल पार पुल, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक, कॉनकोर्स, पोर्च, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र के निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा स्टेशन भवन के स्थापत्य संबंधी सुधार कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिनसे यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा जुड़ी होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं, जो पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन है। बहरहाल, कार्यों की स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों के उन्नयन/विकास/पुनर्विकास को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 "यात्री सुविधाएं" के तहत आबंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। केरल राज्य दक्षिण रेलवे के अंतर्गत आता है। इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 1,383 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है तथा 2024-25 (अक्टूबर, 2024 तक) के दौरान 620 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

*****